an>

Title: Issue regarding menace caused by wild elephants in Jharkhand.

श्री विष्णु दयाल राम (पलामू) : सभापति जी, मैं आपको धन्यवाद देता हूं कि आपने मुझे बोलने का अवसर दिया। मैं आपकी अनुमति से झारखंड राज्य के एक अति महत्वपूर्ण विषय को शून्य काल में उठाना चाहता हूं। झारखंड राज्य के सृजन के बाद से अब तक 950 से अधिक व्यक्तियों की हाथियों के द्वारा हत्या कर दी गई। इसका सबसे कारण यह है कि हाथियों के विचरण की जो जगह होती है, उस जगह की कमी हो गई।

नतीजा यह है कि हाथियों द्वारा लोगों की न केवल हत्या की जा रही है बल्कि उनकी फसलों को भी बर्बाद किया जा रहा है, उनकी संपत्तियों को बर्बाद किया जा रहा है। यह बहुत बड़े पैमाने पर हो रहा है और झारखंड राज्य के लिए एक समस्या बन चुकी है। ऐसी परिस्थिति में वन विभाग पुराने तरीकों से ही हाथियों को भगाने का काम कर रहा है, वे वही मिर्ची छोड़ने और पटाखे फोड़ने का काम कर रहे हैं। ऐसी परिस्थिति में उन्हें आधुनिक तरीकों को अपनाने की आवश्यकता है।

मैं सदन के माध्यम से माननीय पर्यावरण मंत्री जी से अनुरोध करना चाहता हूं कि झारखंड राज्य में हाथियों के आतंक से प्रभावित गांवों और निवासियों की सुरक्षा के लिए एक विस्तृत योजना बनाई जाये, जिससे उनकी जीवन, संपत्ति और फसलों को बर्बाद होने से बचाया जा सके। ऐसी योजना के अंतर्गत प्रभावित गांवों के चारों तरफ बाड़ लगाने एवं हाथियों की ऊँचाई जितनी ऊँचाई की दीवार बनाने जैसे सुझावों पर उचित ध्यान देने की आवश्यकता है। इसके साथ ही साथ मैं यह भी मांग करता हूं कि जान गंवाने वाले लोगों के परिवारों, फसल बर्बाद होने वाले किसानों और संपत्ति गंवाने वाले लोगों को पर्याप्त मुआवजा दिया जाये। धन्यवाद।

HON. CHAIRPERSON:

*m02

S/Shri Sharad Tripathi,

*m03

Bhairon Prasad Mishra, and

*m04

Kunwar Pushpendra Singh Chandel are permitted to associate with the issue raised by Shri Vishnu Dayal Ram.